21-6-67

Ramam

22-1-67 ओम शान्ति रात्री क्लास

जानते हो बाबा आया हुआ है। बाबा ने आकर परिचय दिया है। जिनको भक्ति मार्ग में धक्के खाते रहे व
वो तो आये हुये है तो बड़ी खुशी की बात है। भल छोटी बच्ची है जितना यह अपने को ऊंच ते ऊंच
और शाहुकार समझती है उतने बड़े-2 प्रेजीडेन्ट भी कुछ नही है। वो तो तुच्छ है क्यो कि सब विनाश हो
जावेगा। हम विश्व के मालिक बनते है। बनने की तो खुशी होनी चाहिये। धन की खुशी नही है। अभी तो
आप श्रीमत पर चलना है। इसमें भी मेहनत है। मत पर चल नही सकते है। एक तरफ बाप मत देते है
दूसरी तरफ माया खड़ी है। यह है युद्ध। अक्सर करके गरीब जो है उनके लिये बड़ा सहज दिखाई
पड़ता है। नशा जिनको कापरी चढ़ता है तो कोई चीज भी अन्दर नही आती। थोड़ा बहुत कमाते खाते
रहे बाकी भारत की सेवा में लगाया। बाप जी ने भी सेवा ही की थी कि रामराज्य स्थापन करे। कई समझते
है यह तो राक्षस राज्य है। अब तुम समझते हो कि बाबा हमको हर 5000 वर्ष बाद बड़े प्यार से कहते
है बच्चों तुमको आज से 5000 वर्ष पहले राजभाग्य दिया था ना। हमारी शिव जयन्ति मनाते हो ना।
इस दवारा कोई कह नही सके सिवाय इस बाप के। बाप कहते है कि मुझे याद करो तो पाप भस्म हो
जावेंगे। कोई तकलीफ की खैंचा आदि नही है। शिव और कृष्ण की लगन को भक्ति में याद करते है तो
खैंचा लगता है क्या? घर में चित्र है। चीज वो ही है। फिर भी दूर-2 धक्के खाते है। यह चक्र पूरा कर फिर
करना है। नाम भी वो ही, कृष्ण ही है फिर दूर-2 क्यों जाते हो? वृथा काम कुछ नही करती। इसको कहा
जाता है पत्थर बुद्धि। ज्ञान से होती है पारस बुद्धि। तुम समझते हो कि हम भी कुछ नही जानते थे।
जनावरों से भी बदतर थे। यह बाबा भी कहते है ना। भल बहुत अनुभव किया, बड़े-2 से मिलते थे।
वाईसराय
[illegible] पास दौड़ते रहते थे। पासले लेते थे। कहते थे हम तो मर्चेन्ट प्रिन्स बहुत प्यार से चिट दे
देते थे। अब समझते है कि वह नाट अपैनी था। अब तो बाप मिला हुआ है तो कापरी नशा चढ़ा हुआ है।
बीबी को तो बहुत याद बहुत नशा चढ़ा रहना चाहिये। अन्दर में कितनी खुशी रहती है। यही कृपा हो कि
दूसरों को आप समान बनावे। तुम बच्चों जैसा अच्छा [illegible] जानते हो हम भारत
को श्रेष्ट बनाते है तो अपने को भी बनाते है। यहां बैठे हुये हो तो कितना अतिइन्द्रिय सुख रहना चाहिये।
उस उमंग से बैठ समझाओ तो कितना वो खुश हो जावें। ऐसी चलन चाहिये, बहुत मीठा बनना चाहिये।
जिससे नाम बदनाम नही हो। सतगुरु का निन्दक.... समाचार आया था कि सेन्टर के बाहर बैठ कर
झगड़े। तो ऐसे ठौर पावेंगे? रूठ कर आना छोड़ देते है पर बैठ जाते है। बाप कहते है भल [illegible]
झगड़ो मगर पढ़ाई नही छोड़ो। ना पढ़ने वाले क्या पद पावेंगे। बड़ा भारी देह-अहंकार है। नही तो कितनी
खुशी रहनी चाहिये। बाबा की ही मत पर चलना चाहिये। बाबा जो [illegible] आज्ञा दे। परन्तु चलते नही
है। माया भुला देती है कोई ना कोई नशा आ जाता है। काम का नशा क्रोध का नशा।.... गाते है
बाबा आप आवेंगे तो हम बलिहार जावेंगे। बलिहार जाना कोई मासी का घर नही है। कोई बिरले
बलिहार जाते है। फिर ऐसी सर्विस करते है। गुजरातियों को जगाना चाहिये। कुम्भ करण की नीद में सोये
पड़े है। स्वर्ग क्या नर्क क्या बिलकुल ही पता नही है। बन्दर से भी बदतर है। तुम सितायें सब रावण
की जेल में शोक वाटिका में हो। तुम बच्चों को औरों को रस्ता बताने का बहुत शौक चाहिये। बिलकुल
अंधेरे में है। इसलिये कहा भी जाता है क्राईड पढ़ो। मुसलमान भी हिन्दुओं को काफर कहते है।
बाप को रूप-2 आकर कितनी मेहनत करनी पड़ती है। बच्चे कितनी मेहनत करते है बड़ों-2 को समझाने
में। बड़े चित्र भी ले जावेंगे। बाबा तो आर्डर देते है मुख्य-2 जो 10-12 चित्र है वो एक मास में बन
तो सर्विस कितनी तीखी हो जावे। बहुत तो डलेट हो जावेंगे। हम आत्मा [illegible] विश्व की मालिक
थी। अबसब तमोप्रधान है। झाड़ को खलास होना है। यह है ही ओल्ड वर्ल्ड। अब तुम सतोप्रधान बनते
हो। जानते हो नई दुनियाँ थी फिर पुरानी हुई है फिर पुरानी से नई बननी है। दुनियाँ को तो कुछ भी